Date
16/05/2020

Subject - (Peace Education and Continuous develo.) D.El.Ed.
Topic - (Philosophical Thinking and peace) 4th Sem

भारत मे शान्ति हेतु दार्शनिक चिन्तन

भारत एक शान्तिप्रिय देश है। यहाँ 19वी शताब्दी के उतरार्द्ध एवं 20 वीं शताब्दी के प्रारम्भ मे कई महान विभूतियों का प्रादुर्भाव हुआ।
भारतीय दार्शनिको ने अपनी विचारधाराओं मे शान्ति एवं अहिंसा को प्रथम स्थान दिया है।
विभिन्न भारतीय दार्शनिको एव दर्शनो का शांति के परिप्रेक्षय मे वर्णन निम्नलिखित है।

1. जैन दर्शन एवं शान्ति
2. बौद्ध दर्शन एवं शान्ति
3. योग दर्शन एवं शान्ति
4. वेदान्त दर्शन एवं शान्ति
5. भारतीय विचारकों के चिन्तन मे शान्ति

जैन दर्शन एवं शान्ति

जैन धर्म के प्रवर्तक एवं आद्य तीर्थंकर मनुवंश महिपति नाभि के पुत्र श्री ऋषभ देव (850 ई०पू०) थे।
कुछ विद्वानो ने तीर्थंकर पार्श्वनाथ को जैन धर्म का मूल प्रवर्तक माना है। महावीर स्वामी ने 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ के चार महाव्रतों (सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह) का पालन करने का उपदेश दिया।
जैन दर्शन के अनुसार, सत्य - विचारों वाणी एवं व्यवहार मे सत्यता लाना।
अहिंसा - वाणी विचार या व्यवहार किसी भी माध्यम से हिंसा न करना।
हिंसा के दो प्रकार - प्रथम कषाय, द्वितीय, अत्याचार,

Continue---